web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 12 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 284

महत्वपूर्ण एवं खास

मणिपुर में हिंसा के बीच बड़ी वारदात : 2 महीने से बंद बैंक में एक करोड़ रुपए की चोरी

इम्फाल (आरएनएस)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक्सिस बैंक की एक शाखा से कथित तौर पर कम से कम 1 करोड़ रुपये की नकदी चोरी हो गई। बैंक की यह शाखा राज्य में जातीय हिंसा के कारण 4 मई से बंद थी, सोमवार को जैसे ही दोबारा खुली तो नकदी चोरी होने का पता चला। यह जानकारी पुलिस ने दी। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पहले सूचना मिली कि एक्सिस बैंक की चुराचांदपुर शाखा में डकैती हुई है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि यह डकैती नहीं, बल्कि चोरी थी, क्योंकि 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद 4 मई से बैंक शाखा बंद थी और इसे सोमवार को खोला गया। अधिकारी ने बताया कि पाया गया कि बाथरूम के वेंटिलेटर को तोड़ने के बाद कुछ संदिग्ध बाथरूम के माध्यम से बैंक के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुए और स्ट्रॉन्ग रूम की दीवार में छेद कर दिया। बैंक के मैनेजर के स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियों के साथ आने के बाद उचित जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों ने घाटी और पहाड़ी दोनों जिलों के संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में तलाशी अभियान चलाया और आतंकवादियों और उपद्रवियों द्वारा बनाए गए कुल 10 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया।

बिहार : कांवड़ियों से भरी बस पेड़ से टकराई, 35 घायल

जमुई (आरएनएस)। बिहार के जमुई जिले के झाझा थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह कांवडिय़ों से भरी एक बस के पेड़ से टकरा जाने से कम से कम 35 कांवडिए घायल हो गए हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, छपरा जिला के सोहन बाजार एवं कड़ी बाजार क्षेत्र के 40 से 45 लोग एक बस से चारधाम की यात्रा पर निकले थे। सोमवार को देवघर, बासुकीनाथ एवं तारापीठ में पूजा-अर्चना कर राजगीर पूजा करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग- 333 के एकडरा मोड़ के समीप बस पर से चालक का नियंत्रण हट गया और बस सडक़ के किनारे एक पेड़ से टकरा गई। झाझा के थाना प्रभारी राजेश शरण ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 30 से 35 लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि तीन यात्रियों को गंभीर चोट आई है, जिन्हें जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से बस चालक फरार बताया जा रहा है।

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की तबीयत बिगड़ी, फरीदकोट के अस्पताल में करवाया भर्ती

बठिंडा (आरएनएस)। बठिंडा की केंद्रीय जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की बीती देर रात को अचानक तबीयत बिगड़ गई है। जिसके बाद लॉरेंस बिश्नोई को फरीदकोट के गुरू गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। लारेंस को पिछले कुछ दिनों से बुखार चढ़ा हुआ है और बुखार न टूटने के बाद उसे फरीदकोट के गुरू गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया है। डॉक्टर्स की चुनी हुई टीम लगातार बिश्नोई के आसपास है और उसका इलाज कर रहे हैं। फिलहाल लॉरेंस की हालत स्थिर बनी हुई है।

सेना ने एलओसी पर बड़ी घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम, घुसपैठिए को मार गिराया

जम्मू (आरएनएस)। सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। इस दौरान एक घुसपैठिया आतंकवादी मारा गया।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने एक बयान में कहा, 10 जुलाई की रात भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने एक ऑपरेशन में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया।

बयान में कहा गया, 10 जुलाई की आधी रात को नौशेरा में एलओसी पर तैनात भारतीय सेना ने एलओसी के पार से अपनी तरफ बढ़ रहे आतंकवादियों के एक समूह की संदिग्ध गतिविधि देखी। आतंकवादियों पर भारी और सटीक गोलीबारी की गई। एक आतंकवादी को किनारे पर गिरते हुए देखा गया, जबकि दो अन्य घायल हो गए, उन्हें जंगल में छुपते हुए देखा गया। ऑपरेशन का क्षेत्र घना जंगल होने और खराब मौसम के कारण आतंकवादियों ने खुद को जंगल में छिपा लिया।

सेना अधिकारी ने कहा, अतिरिक्त सैनिकों को अंदर ले जाया गया और इलाके की घेराबंदी कर दी गई। खराब मौसम की स्थिति में भारी खनन वाले क्षेत्र में दो दिनों तक चले तलाशी अभियान के दौरान मारे गए एक

आतंकवादी का शव, हथियारों का जखीरा बरामद किया गया।

उन्होंने कहा, शायद, अन्य घायल आतंकवादी जंगल का फायदा उठाकर नियंत्रण रेखा के पार वापस चले जाने में कामयाब रहे। बरामद किए गए हथियारों में एक एके 47 राइफल, 175 राउंड के साथ तीन एके मैगजीन, एक 9 मिमी पिस्तौल, दो मैगजीन, चार हथगोले, संचार उपकरण, बड़ी मात्रा में खाने-पीने का सामान और कपड़े शामिल हैं। सतर्क भारतीय सेना ने अपनी त्वरित कार्रवाई से घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को खत्म कर दिया है। घुसपैठियों का मकसद राजौरी जिले में शांति भंग करना था।

एनआईए ने आतंकी साजिश रचने के मामले में जम्मू-कश्मीर में 5 स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश रचने के मामले में जम्मू कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनआईए ने कहा कि ये छापेमारी घाटी के दक्षिण कश्मीर के जिलों में पांच स्थानों पर चल रही है। उन्होंने कहा, आरसी 5/2022/एनआईए/जेएमयू के मामले के तहत छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि फिजिकली और साइबरस्पेस दोनों तरह से साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में सुतली बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक तथा आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना का पता लगने के संबंध में है। आतंकवादी संगठनों द्वारा स्थानीय युवाओं और भूमिगत कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए आतंक फैलाने और हिंसा की वारदातों को अंजाम देने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। एनआईए ने इसकी सूचना मिलने के बाद छापेमारी शुरू की है।

इसरो के पूर्व चेयरमैन को दिल का दौरा पड़ा, अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और प्रमुख अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन को श्रीलंका में सोमवार को दिल का दौरा पडऩे के बाद यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नारायण हृदयालय अस्पताल ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि श्री कस्तूरीरंगन को गंभीर बीमार हालत में भर्ती किये जाने के बाद प्रारंभिक जांचे शुरू कर दी गयी है और चिकित्सकों का एक दल उनके स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी कर रहा है।

इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि इसरो के पूर्व अध्यक्ष को श्रीलंका में दिल का दौरा पड़ा और उन्हें हवाई मार्ग से बेंगलुरु ले जाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि डॉ. कस्तूरीरंगन की हालत स्थिर है। कर्नाटक के

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्विटर पर यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें डॉ. कस्तूरीरंगन के स्वास्थ्य और चिकित्सा उपचार पर बारीकी से नजर रख रही हैं।

तियासी वर्षीय वैज्ञानिक को प्रतिष्ठित पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। डॉ. कस्तूरीरंगन नई शिक्षा नीति मसौदा समिति के अध्यक्ष का पद भी संभालते हैं और उन्होंने कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और भारत के योजना आयोग के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ईडी डायरेक्टर का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाना अवैध: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने आज अहम फैसले के तहत ईडी डायरेक्टर संजय मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने को अवैध करार दिया है। यानी मिश्रा अब 31 जुलाई तक ही पद पर बने रह सकेंगे। कोर्ट ने कार्यकाल बढ़ाने के लिए कानून में बदलाव को हालांकि वैध बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि केंद्र 15 दिनों में नया श्रेष्ठ निदेशक तलाश करे। कोर्ट ने केंद्र को राहत देते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई निदेशक के सेवा विस्तार के नियम वाले कानून में संशोधन सही है, – लेकिन मिश्रा को तीसरी बार सेवा विस्तार अवैध है।

दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगा एससी, सीजेआई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ दायर याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर 23 याचिकाएं दाखिल हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए सभी पक्षकारों को 27 जुलाई तक अपने जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

अदालत ने कहा कि 27 जुलाई तक सभी पक्ष अपना जवाब दाखिल करा दें, उसके बाद कोई बदलाव कराने की अनुमति नहीं होगी। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का बचाव किया था। केंद्र सरकार ने अदालत में हलफनामा दायर कर कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद पूरे क्षेत्र ने शांति, विकास और संपन्नता का अभूतपूर्व युग देखा है।

केंद्र ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। जेएंडके में पत्थरबाजी की घटनाएं न के बराबर हो गई हैं। इसके अलावा आतंकी ईको-सिस्टम भी लगभग खत्म हो गया है। ये सब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण संभव हो पाया है।

बता दें कि केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। अनुच्छेद-370 हटाकर केंद्र ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में विभाजित कर दिया था।

पूजा स्थल अधिनियम 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की एक श्रृंखला में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को हलफनामा दाखिल करने के लिए दिया और समय

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की एक श्रृंखला में, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक बार फिर केंद्र को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया। मामले के दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र को 31 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश वृंदा ग्रोवर ने अदालत से कार्यवाही पर रोक लगाने की याचिका पर विचार करने का आग्रह किया। ग्रोवर ने कहा, स्थगन की मांग करने वाला एक अंतरिम आवेदन है। देश भर में अधिनियम

लागू होने के दौरान मामलों पर मुकदमा चलाया जा रहा है। आज की स्थिति के अनुसार, अधिनियम लागू है।

हालांकि, अदालत ने कहा कि वह विवादित धार्मिक स्थलों के संबंध में देश भर की विभिन्न अदालतों में चल रहे मुकदमों और कानूनी कार्यवाही पर पूर्ण रोक लगाने के लिए अधिनियम का उपयोग नहीं कर सकती है।

पीठ ने कहा कि किसी विशिष्ट मामले में शामिल प्रत्येक पक्ष को व्यक्तिगत रूप से संबंधित अदालत से स्थगन का अनुरोध करना चाहिए, अधिनियम के अस्तित्व पर प्रकाश डालना चाहिए और ध्यान देना चाहिए कि इस पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक नहीं लगाई गई है। पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी भी अदालत के सामने पेश हुए और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र इस मामले में स्थगन मांगने की प्रवृत्ति दिखा रहा है, और इसे अंतिम सुनवाई के लिए निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

इस साल जनवरी में, शीर्ष अदालत ने अधिनियम 1991 के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार को अपनी प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए समय बढ़ा दिया था। इसने केंद्र को अपना जवाब दाखिल करने के लिए फरवरी 2023 के अंत तक का समय दिया।

पिछले साल 14 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अधिनियम के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक व्यापक हलफनामा दाखिल करने के लिए 12 दिसंबर तक का समय दिया था। 21 अक्टूबर को, पीठ ने केंद्र को 31 अक्टूबर या उससे पहले एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसने मामले को 14 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था।

12 मार्च, 2021 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कानून के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक, वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा था।

दर्दनाक हादसा : शादी समारोह में जा रही बस नहर में गिरी, सात बारातियों की मौत

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में मंगलवार को एक बारात ले जा रही बस के नहर में गिर जाने से एक बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोडिली से काकीनाडा जा रही बस दर्शी के पास सागर नहर में गिर गई। बस में 35 से 40 लोग सवार थे। वे एक विवाह समारोह में भाग लेने के लिए काकीनाडा जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने बचाव और राहत अभियान शुरू किया। पुलिस के अनुसार, यात्रा के लिए राज्य के स्वामित्व वाली आंध्र प्रदेश राज्य सडक़ परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस किराए पर ली गई थी। बस चालक को अचानक झपकी आ गई, इसके कारण यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान अब्दुल अजीज (65), अब्दुल हानी (60), शेख रमीज (48), मुल्ला नूरजहां (58), मुल्ला जानी बेगम (65), शेख शबीना (35) और शेख हिना (6) के रूप में हुई।

बारिश का कहर : हिमाचल में लैंडस्लाइड, जोशीमठ में ग्लेशियर टूटा, यमुना खतरे के निशान के ऊपर

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर भारत में भारी बारिश ने इस क्षेत्र को घुटनों पर ला दिया है, जिससे पिछले तीन दिनों में 37 से अधिक लोगों की जान चली गई है। दिल्ली की यमुना नदी में जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, हरियाणा के करनाल के कई गांवों में गंभीर जल-जमाव हो गया है और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंडी, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के लिए अचानक बाढ़ की चेतावनी भी दी है। वहीं देश के चार राज्यों में एनडीआरएफ की 39 टीमों को तैनात किया गया है।

बताते चलें कि चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर मंडी से लेकर कुल्लू तक जगह-जगह लैंडस्लाइड हुई है। हाइवे अब पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। सैकड़ों गाडिय़ां कुल्लू और मनाली में फंसी हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक हाईवे को खोलने में 48 घंटे लगेंगे।

वहीं पंजाब और हरियाणा में बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में दो दिनों के भीतर 9 लोगों की मौत हुई। सेना ने भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा होने के बाद पंजाब की एक यूनिवर्सिटी से 960 लोगों को बचाया है।

हरियाणा की बात करें तो यहां के अंबाला जिले में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण शहर के रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है और घग्गर नदी उफान पर है। शालीमार कॉलोनी, हीरा नगर, अशोक विहार और कई अन्य आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया।

बता दें कि पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के चलते हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी की वजह से यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रहा है। इस वक्त यमुना का जलस्तर 206।24 मीटर है, जो खतरे के निशान से काफी ऊपर है। यमुना के निचले इलाकों में रहने वालों को हिदायत दी गई है कि वह सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। 206 मीटर के

स्तर को पार करते ही यमुना के लिए ऑरेंज अलर्ट लागू हो जाता है।

उत्तराखंड में आफत की बारिश से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि जोशीमठ में ग्लेशियर टूट गया है। जिसके चलते जोशीमठ और उसके आसपास के गांवों के डूबने की आशंका है। ग्लेशियर के टूटने से लगातार पानी का बहाव बढ़ता जा रहा है। धौला नदी में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

यमुना में बाढ़

पानीपत के गांव नन्हेड़ा में टूटा बांध; 6 गांव में भरा पानी

पानीपत (आरएनएस)। पहाड़ों में हुई बारिश के बाद यमुना ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया है। रात दो बजे गांव नन्हेड़ा के पास बांध टूट गया। छह गांव पानी से लबालब हो गए। इन गांवों का पूरी तरह से संपर्क टूट गया है। इन गांवों में हजारों लोग फंसे हैं। प्रशासन इनसे संपर्क करने का प्रयास कर रहा है। यहां राहत कार्य जारी हैं। 30 एकड़ में खड़ी फसल तबाह हो चुकी है। एनडीआरएफ को भी बुलाया गया है। रात करीबन दो बजे यमुना में 2.30 क्यूसेक पानी पहुंचा था। पानी के दबाव में ये बांध टूटा है। इससे पहले 2013 में भी इस स्थान पर बांध टूटा था।

पहाड़ों व मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बरसात से यमुना उफान पर है। यह चेतावनी के निशान को पार कर गई है। इससे यमुना के तटीय क्षेत्र में 30 हजार एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। छह गांव डूब चुके हैं। नौ गांवों में पानी जाने का भय बना हुआ है। सनौली गोशाला में भी पानी पहुंच चुका है। यहां से 110 गोवंशों को निकाला जा चुका है।

प्रशासन किसानों की डूबी फसल का आंकलन भी कर रहा है। हथिनीकुंड बैराज से सोमवार को यमुना में 2.58 लाख क्यूसेक पानी छोडऩे से बाढ़ की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार सुबह को 232 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यहां से चेतावनी बिंदू 210 मीटर व खतरे का निशान 231.500 मीटर पर आ गया है। अब यमुना खतरे के निशान के ऊपर बह रही है।